----- आठल्ये- सप्रे- पित्रे- स्वायत्त महाविद्यालय देवरूख, जिला- रत्नागिरी ------

----- हिंदी अध्ययन मंडल द्वितीय सभा--------

तिथि 6 जुलाई 2020 को सुबह 11:00 बजे महाविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल की सभा संपन्न हुई। यह सभा झूम एप ऑनलाइन संपन्न हुई। इस समय सभा में निम्नलिखित सम्मानीय सदस्य जुड़े हुए थे

1 डॉ.अनिलकुमार सिन्ह (सहयोगी प्राध्यापक शहापुर महाविद्यालय)

2 डॉ बलवंत जेउरकर (विलिंगडन महाविद्यालय, सांगली)

3 डॉ राहुल मराठे (कला वाणिज्य महाविद्यालय, लांजा)

4 श्री बलवंत नलावडे (मुख्याध्यापक, मीनाताई ठाकरे विद्यालय, साडवली

5 डॉ वर्षा फाटक आठल्ये- सप्रे- पित्रे- स्वायत्त महाविद्यालय, देवरूख)

सभा की कार्य -पत्रिका

1 **शैक्षणिक वर्ष 2019 20 मैं हुई पहली सभा का कार्यवृत्त वाचन और अनुमति।**

2 **पिछले साल के प्रथम वर्ष कला के बदले हुए पाठ्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में छात्रों का परीक्षा फल।**

3 **विगत साल में आयोजित किए गए मूल्य आधारित और कौशल्य प्रमाण पत्र प्रशिक्षण वर्गों का विवेचन तथा विचार विनिमय।**

4 **शैक्षणिक वर्ष 2020- 21 में व्दितीय वर्ष कला हिंदी पेपर नंबर 1 और 2 के लिए तैयार पाठ्यक्रम पर विचार विनिमय आदि।**

5 **अन्य परिपाद्य विषय**

प्रस्तुत सभा में हिंदी अध्ययन मंडल के सम्मानीय सदस्यों की उपस्थिति में निम्नलिखित विषयों पर विचार विनिमय हुआ।

महाविद्यालय के हिंदी अभ्यास मंडल के चेयरमैन प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने उपस्थित सदस्यों का शब्द

सुमनो से स्वागत किया और सभा की शुरुआत हो गई। इसमें निम्न प्रकार से कार्य पत्रिका में के विषयो को लेकर चर्चा संपन्न हुई। जैसे----

विषय क्रमांक 1-- शैक्षणिक वर्ष 2019 20 मैं हुई पहली सभा का कार्यवृत्त वाचन और अनुमति।

प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने पहली सभा के इतिवृत्त तक को पढ़कर सभा कीअनुमति प्राप्त की।

विषय क्रमांक 2-- पिछले साल के प्रथम वर्ष कला के बदले हुए पाठ्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में छात्रों का परीक्षा फल।

प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने बताया कि पिछले साल का पाठ्यक्रम बच्चों की क्षमता के अनुसार एकदम सफल सिद्ध हुआ है। साथहि महाविद्यालय के परीक्षा विभाग की ओर से दिये गए नियमों के अनुसार 70 -30 की परीक्षा प्रणाली में बच्चों ने अच्छे फल प्राप्त किए हैं। जिसमें 70 अंको का हर सेमिस्टर का बाह्य परीक्षण तथा 30 अंकों के अंतर्गत परीक्षण में छात्रों ने अच्छे अंक प्राप्त किए हैं।

विषय क्रमांक -- 3 विगत साल में आयोजित किए गए मूल्य आधारित और कौशल्य प्रमाण पत्र प्रशिक्षण वर्गों का विवेचन तथा विचार विनिमय।

प्राध्यापिका स्नेहलता पुजारी ने सभा के सामने स्पष्ट किया कि पिछले साल हिंदी विभाग की ओर से दो प्रमाणपत्र प्रशिक्षण वर्गों का आयोजन किया था। जिसमें पहला प्रमाणपत्र प्रशिक्षण " **व्यासपीठीय तथा रंगमंचीय सादरीकरण कौशल्य और व्यवसाय की संभावनाएं।"** इस विषय पर 15 दिनों का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। जिसमें कथा- वाचन, कथाकथन, निवेदन- कौशल्य, दिग्दर्शन- कौशल्य, नाट्य- लेखन ,अभिनय- कौशल्य, पथनाट्य- लेखन तथा सादरीकरण साथ ही वक्तृत्व आदि विषयों पर तज्ञ लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। **दूसरा "मोडी लिपी प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया।"** जिसमें 16 विद्यार्थी और सोसाइटी के 18 व्यक्ति समाविष्ट थें।बच्चों का मोडी- लिपी का परीक्षा फल अच्छा रहा है।

इस विषय को लेकर डॉ अनिल सिंह ने यह सुझाव दिया कि डॉ. जेउरकर जो हमारे अध्ययन मंडल के सदस्य भी हैं और उन्हें अनुवाद के क्षेत्र में पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। इस दृष्टि से आप इनसे बच्चों को ऑन- -लाइन मार्गदर्शन करा सकती है। और इस सुझाव के लिये को डॉक्टर जेउरकर ने भी दर्शाई। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आपको राजेश जोशी के साहित्य अनुवाद पर पुरस्कार

प्राप्त हुआ है। इसका फायदा अगर इस महाविद्यालय के बच्चों को होगा तो आपको बड़ी खुशी होगी। साथ ही इस प्रकार के प्रशिक्षण वर्ग को मदद करने की इच्छा डॉ राहुल मराठे ने भी व्यक्त की।

सूचक--- डॉ अनिल सिंह

अनुमोदक ---- डॉ राहुल मराठे

विषय क्रमांक 4-- **शैक्षणिक वर्ष 2020- 21 में व्दितीय वर्ष कला हिंदी पेपर नंबर 1 और 2 के लिए तैयार पाठ्यक्रम पर विचार विनिमय आदि।**

कार्यक्रम पत्रिका में नमूद विषयों के अनुसार प्राध्यापिका पुजारी ने बताया कि इस साल द्वितीय वर्ष कला का जो पाठ्यक्रम तैयार किया है। उसके लिए आदरणीय अनिल सिंह जी का बहुत बड़ा सहयोग रहा है। और यह पाठ्यक्रम तैयार होने के बाद सभी सम्मानीय सदस्यों के व्हाट्सएप पर निरीक्षण और सूचना के लिए भेजा गया था जो सूचनाएं प्राप्त हुई है उन सूचनाओं के आधार पर प्रस्तुत पाठ्यक्रम को सुचारू रूप से सुघठीत और ठीक करके पाठ्यक्रम बिल्कुल तैयार है जिसमें—

हिंदी पेपर नंबर 1--- के लिए मुंबई विश्वविद्यालय हिंदी अध्ययन मंडल की ओर से संपादित " **मध्यकालीन और आधुनिक काव्य"** नामक पाठ्य पुस्तक में से कबीर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, तथा बिहारी आदि मध्यकालीन कवियों के दोहों साखीयों और पदों को अध्ययन के लिए चुना गया है। साथ ही इस किताब में से आठ अर्वाचीन कवियों के काव्यऔर " **स्वयंप्रभा" नामक खंडकाव्य सेमिस्टर 3** के लिए रखा है। इन दो पाठ्यपुस्तको के अतिरिक्त विध्यार्थियोके लिये साहित्य शास्त्र के अध्ययन की दृष्टि से दो प्रश्नो को को समाविष्ट किया गया **है 1 खण्डकाव्य इस काव्य विधा तात्विक विवेचन। तथा 2आधुनिक काव्य सौंदर्य विविध आयाम।** ताकि विध्यार्थियोकी व्यवहारिक पार्श्वभूमि के साथ सैंधांतिक पार्श्वभूमि तैयार हो। **सेमिस्टर 4** के लिए "**व्यंग्य –वीथी"** नामक संपादकीय व्यग्य संग्रह में से 8 व्यंग्य गद्य और

"**शकुंतिका** " नामक उपन्यास रखा गया है। इन दो पाठ्यपुस्तको के अतिरिक्त विध्यार्थियोके लिये साहित्य शास्त्र के अध्ययन की दृष्टि से दो प्रश्नो को को समाविष्ट किया गया **है 1 व्यग्यात्मक निबंध इस**

विधा तात्विक विवेचन। तथा 2 आधुनिक उपन्यास शिल्पविधान विविध आयाम। ताकि विध्यार्थियो की व्यवहारिक पार्श्वभूमि के साथ सैंधांतिक पार्श्वभूमि तैयार हो।

प्रस्तुत पेपर के पाठ्यक्रम के संदर्भ में डॉ अनिल सिन्ह ने बताया कि पाठ्य क्रम बढ़िया हुआ है। इसमें कुछ बदलाव करने की आवश्यकता नहीं है।

(साथ ही इस पेपर के अंतर्गत मूल्यांकन के लिए विद्यालय- स्तरीय पाठ्यपुस्तकों में होने वाले लेखक कवि तथा उनकी रचनाओं का अध्ययन कर द्वितीय वर्ष कल के सभी विद्यार्थी एक पुस्तिका तैयार करके संगमेश्वर तहसील के सारे विद्यालयों में बांट दें जिस पर मूल्यांकन करके बच्चों को अंतर के अंतर्गत मूल्यांकन के 30 अंक प्राप्त हो सकता है जिसके लिए सभी सदस्यों की अनुमति मिली।)

सूचक--- डॉ अनिल सिंह

अनुमोदक ---- डॉ राहुल मराठे

प्रस्तुत कक्षा के प्रश्न पत्र 2 - का पाठ्यक्रम सभा के सामने उपस्थित किया जिसमें सेमिस्टर 3 के लिए प्रयोजनमूलक हिंदी के कुछ विषय पारिभाषिक, शब्दावली, पत्र- लेखन आदि का उल्लेख किया साथहि प्रथम वर्ष कला के पाठयक्रम मे पत्र लेखन का भाग रखा गया था इसिलिये मुंबई विश्वविद्यालय केपाठयक्रम मे बदंलाव करके 1 कार्यवृत्त लेखन 2 सारलेखन तथा 3 पल्लवन आदि का समावेश किया गया और सेमिस्टर 4 के लिए इसी विषय पर आधारित जनसंचार माध्यम पत्रकारिता विज्ञापन माध्यम- उपयोगी लेखन आदि का विवेचन किया गया है।

(साथ ही **70 अंकों** के बाह्य मूल्यांकन के साथ अनुवाद तथ लेखन और उच्चारण कौशल्यपर आधारित कार्यशाला का आयोजन करके बच्चों को **30** अंकों की प्राप्ति हो सकती है।)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम बच्चो की भाषिक विकास की दृष्टि उपयुक्त है ऐसा मत डॉ. राहुल मराठे ने व्यक्त किया।

सूचक ------ डॉ. राहुल मराठे

अनुमोदक----- डॉ.बळवंत जेउरकर

अन्य परिपाद्य विषय --------

अन्य परिपाद्य विषयो मे महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से दो प्रमाणपत्र प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया जाएगा। जिसमे----

1 महाविद्यालय के हिन्दी मराठी तथा इंग्लिश विभाग के संयुक्त त्तत्वावधान **"अनुवाद लेखन -- और रोजगार की संभावनाये"** इस विषय पर 40 तसिकाओ का प्रमाणपत्र प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जाएगा।

2 हिन्दी विभाग की ओर से 60 तसिकाओ का "मोडी लिपि प्रमाणपत्र प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जाएगा।

उपर्युक्त सभी विषयों को भी सभी सदस्यों ने अनुमति दर्शाई।

अतः उपर्युक्त विषय यर विचार विनिमय करके यह सभा संपन्न हुई । इसी अध्ययन मंडल की सम्मानीय सदस्य वर्षा फाटक किसी तकनीकी वजह से सभा में जुड़ नहीं पाई थी, इसीलिए फोन पर बातचीत करके उन्होंने सभा में उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद प्रस्तुत किया इस तरह बड़े प्रसन्न वातावरण में यह सभा संपन्न हुई।

प्रा.स्नेहलता पुजारी.
हिन्दी विभाग प्रमुख वअध्यक्ष हिन्दी अध्ययन मंडल